विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र
प्रथम तल, असम प्रकाशन भारती,
आर.जी.बरूआ रोड, गुवाहाटी-05 (असम)

Vidya Bharati Purvottar Kshetra
1st Floor, Asom Prakashan Bharati,
R.G. B. Road, Guwahati-05 (Assam)

(Affiliated to Vidya Bharati Akhil Bharatiya Shiksha Sansthan, New Delhi)
Regd. No. : Kam(M)/240/A-27/170 of 2011-12

☎ 0361-25639201 +91-60009-05472 +91-60009-05472
vbpurvottarkshetra@gmail.com www vidyabharatipurvottar.co.in

Ref. No. 35/03/2025-26 Date: 07/08/2025

प्रति,

प्रांत अध्यक्ष / प्रांत मंत्री / संगठन मंत्री / प्रांत संयोजक
विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र

विषय – हिन्दी पखवाड़े के अंतर्गत ईशान्य विभा पत्रिका हेतु लेख प्रेषण।

सादर नमस्कार,

जैसा कि आप सभी परिचित हैं, **हिन्दी दिवस (14 सितम्बर)** के अवसर पर विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र द्वारा गत वर्ष से **"ईशान्य विभा"** नामक एक **ई-पत्रिका** का प्रकाशन आरंभ किया गया है।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी इस पत्रिका हेतु **विभिन्न विषयों पर आधारित मौलिक रचनाएँ आमंत्रित की जा रही हैं।** संबंधित विषयों की सूची संलग्न पत्र में दी गई है।

आप सभी से आग्रह है कि अपने प्रान्त के इच्छुक प्रतिभागियों — जैसे **विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थी, आचार्य-आचार्या अथवा अन्य कोई भी रचनात्मक अभिरुचि रखने वाला व्यक्ति** — से अनुरोध करें कि वे **निर्धारित समय-सीमा के भीतर** अपनी रचनाएँ प्रेषित करें, ताकि यह साहित्यिक एवं भाषिक आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

लेख प्रेषण हेतु निर्देशावली निम्नानुसार है –

1. रचना पूर्णतः मौलिक एवं स्वलिखित होनी चाहिए।
2. रचना यूनिकोड फॉन्ट (आकार 14) में टाइप की गई हो तथा MS Word अथवा PDF फॉर्मेट में भेजें।
3. हस्तलिखित रचनाएँ स्वीकार नहीं की जाएँगी।
4. रचना WhatsApp नंबर – 6000905472 (VBPK Office Secretary) पर भेजें।
5. एक व्यक्ति अधिकतम एक ही रचना भेज सकता है।
6. रचना के साथ अपना नाम, पूरा पता, संपर्क नंबर, संबंधित विद्यालय/ संस्था का नाम अवश्य भेजें।
7. रचना के साथ स्वयं का स्पष्ट फोटो भी संलग्न करें।
8. रचना भेजने की अंतिम तिथि – 20 अगस्त 2025
9. चयन/ सम्पादन संबंधी निर्णय संपादक मंडली का अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।
10. **ईशान्य विभा** का विमोचन 14 सितम्बर 2025 को हिन्दी दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय अधिकारियों की उपस्थिति में किया जाएगा।

आप सभी से अपेक्षा है कि राष्ट्रभाषा हिन्दी के गौरव को बढ़ाने हेतु इस रचनात्मक अभियान में सहभागी बनकर अपनी सारगर्भित रचनाएँ अवश्य प्रेषित करें।

भवदीय,

जगदीन्द्र रायचौधुरी

(डॉ. जगदीन्द्र राय चौधुरी)
मंत्री
विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र

ईशान्य विभा

(विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक हिंदी पत्रिका)

जैसा कि आप सभी अवगत हैं, **विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र** द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका **'ईशान्य विभा'** का **वर्ष 2025 का विशेषांक** हिंदी दिवस के अवसर पर **14 सितम्बर** को प्रकाशित होने जा रहा है।

इस वर्ष का विशेषांक विषय है:

"लोकपरंपराओं में पर्यावरण चेतना"

✍लेख आमंत्रण

हम आप सभी लेखकों, शिक्षकों, शिक्षार्थियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, पर्यावरण प्रेमियों और साहित्य प्रेमियों से इस विषय पर आधारित मौलिक लेख, शोध आलेख, संस्मरण, संस्कृति आधारित अध्ययन, अनुभव आधारित लेख एवं रचनात्मक सामग्री आमंत्रित करते हैं।

❖ **संभावित उपविषय (Sub-themes):**

- जनजातीय जीवन और पर्यावरण संतुलन
- पारंपरिक कृषि पद्धतियाँ और प्रकृति संरक्षण
- लोककथाओं और लोकगीतों में प्रकृति
- पर्व-त्योहारों में पर्यावरण चेतना
- ईको-फ्रेंडली शिल्प और हस्तकला
- जल, जंगल और जमीन की लोक-समझ
- पूर्वोत्तर भारत की लोकपरंपराओं में प्रकृति पूजा
- बाल-साहित्य: प्रकृति और पर्यावरण
- विद्यालयों में लोकपरंपरा आधारित पर्यावरण शिक्षा के प्रयास

❖ **लेखन निर्देश**

- **लेख प्रेषण की अंतिम तिथि: 20 अगस्त 2025**
- **भाषा**: हिंदी (युनिकोड फॉन्ट साइज 14 में) हो।
- **शब्द सीमा**: 1500–3000 शब्द
- लेख के साथ लेखक का **पूरा नाम** (लेखक का संक्षिप्त परिचय, **पद/संस्था**, **संपर्क नंबर**, और एक **पासपोर्ट साइज फोटो** संलग्न करें।
- एक व्यक्ति की एक प्रविष्टि स्वीकृत की जाएगी।
- शोध-पत्रों में शोध सार, बीजशब्द, संदर्भ, पाद-टिप्पणियाँ और सूची अवश्य हो।
- **लेख भेजने का ईमेल पता**: *vbpurvottarkshetra@gmail.com* (Word File में)
- **संपर्क** :*लालजी सोनारी,* **6000905472** (व्हाट्सएप)

❖ आइए, हम सब मिलकर अपनी समृद्ध लोकपरंपराओं में निहित **पर्यावरण चेतना** को उजागर करें और इस अंक को एक प्रासंगिक व संग्रहणीय दस्तावेज़ बनाएं।

– संपादकीय टीम, ईशान्य विभा
विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र